छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (राज्य सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य में द्वितीय श्रेणी एवं तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिये राज्य सेवा परीक्षा नाम से एक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित किया जाता है। राज्य सेवा परीक्षा द्वारा मुख्यतः डिप्टी कलेक्टर, डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, वाणिज्य कर अधिकारी, रोजगार अधिकारी, जिला पंजीयक, श्रम अधिकारी, नायब तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, आबकारी उपनिरीक्षक, परिवहन उपनिरीक्षक, जिला सेनानी नगर सेना आदि पदों के लिये संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है।

- **वर्ष 2016 से आयोग द्वारा इस परीक्षा का विज्ञापन, प्रतिवर्ष संविधान दिवस (26 नवम्बर) को जारी करने तथा प्रारंभिक परीक्षा आगामी फरवरी एवं मुख्य परीक्षा मई माह में आयोजित करने का निर्णय लिया है।**

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

टीप :– 1. ऐसे अभ्यर्थी जो ऐसी किसी परीक्षा में बैठे हो या बैठेंगे, जिसमें उत्तीर्ण होने से वे आयोग की इस परीक्षा के लिये शैक्षणिक रूप से पात्र हो जायेंगे, लेकिन उनका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है, वे भी प्रारंभिक परीक्षा के लिये आवेदन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य परीक्षा के समय उन्हें यह शैक्षणिक परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

2. शारीरिक मापदंड :– डी.एस.पी., जिला आबकारी अधिकारी, परिवहन उपनिरीक्षक, आबकारी उपनिरीक्षक एवं सहायक जेलर पदों के लिये आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित शारीरिक मापदंडों को पूरा करना अनिवार्य होता है।

3. नियुक्ति हेतु अनर्हता :– छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)। **डी.एस.पी. पद** हेतु आयुसीमा 30 वर्ष निर्धारित है। छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए 5 वर्ष की छूट को मिलाकर यह आयुसीमा 35 वर्ष होती है।

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार)
3. साक्षात्कार।

➢ **प्रारंभिक परीक्षा** – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाग–1 सामान्य अध्ययन	50	100	2 घंटा
		भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान	50	100	
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	100	200	2 घंटा
		योग	**200**	**400**	

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर हेतु सही उत्तर के लिए निर्धारित अंक का 1/3 काटे जावेंगे।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित वर्ग के आवेदकों को न्यूनतम 23 प्रतिषत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। द्वितीय प्रष्न पत्र–योग्यता परीक्षा अर्हकारी प्रकृति की होगी। इस प्रष्न पत्र में अभिप्राप्त अंकों को मुख्य परीक्षा हेतु आवेदकों के चयन के लिए प्रावीण्य सूची तैयार करते समय नहीं जोड़ा जायेगा। प्रथम प्रष्न पत्र–सामान्य अध्ययन की प्रावीण्य सूची के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए आवेदकों का चयन किया जायेगा।

➢ **मुख्य परीक्षा :–** मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होंगे। लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	भाषा (सामान्य हिन्दी/संस्कृत/अंग्रेजी/छत्तीसगढ़ी)	200	3 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	निबंध (1. अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे 2. छत्तीसगढ़ राज्य के मुद्दे)	200	3 घंटा
3.	तृतीय प्रश्न पत्र	इतिहास, संविधान एवं लोक प्रशासन	200	3 घंटा
4.	चतुर्थ प्रश्न पत्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण	200	3 घंटा
5.	पंचम प्रश्न पत्र	अर्थव्यवस्था एवं भूगोल	200	3 घंटा
6.	षष्ठम प्रश्न पत्र	दर्शन एवं समाजशास्त्र	200	3 घंटा
7.	सप्तम प्रश्न पत्र	कल्याणकारी कार्यक्रम, खेलकूद, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएँ	200	3 घंटा
योग			**1400**	

➢ **साक्षात्कार –** मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 100 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर अभ्यर्थी द्वारा अग्रमान्यता पत्रक में दिये अधिमान के क्रम अनुसार पद आबंटित किये जाते हैं। अग्रमान्यता पत्रक में जिन पदों के लिये अभ्यर्थी द्वारा अधिमान नहीं दिया जाता है, उन पदों के लिये उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा :– प्रथम प्रश्न पत्र – भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत का इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्षन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान) – इसमें छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, जनगणना, पर्यटन केन्द्र, कला एवं संस्कृति, अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, जनजातियॉ तथा समसामयिक घटनाओं के प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, हिन्दी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

मुख्य परीक्षा :– इसके पाठ्यक्रम आवेदक छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट

www.india.gov.in बहु उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं सांख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते है।

इंतजार करने वालों को चीजें मिलती तो हैं मगर ऐसी ही चीजें मिलती है जिन्हें कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।

– अब्राहम लिंकन

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों से संबंधित महाविद्यालयों में विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिये छत्तीसगढ़ सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांगजन के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है। ग्रेडिंग पद्धति में ग्रेड–बी के साथ (7 बिन्दुओं सहित) संबंधित विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा किसी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से समकक्ष उपाधि।

2.यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित (स्लेट/सेट) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीप :– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को सहायक प्राध्यापक/समतुल्य पद में भर्ती हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। ऑनलाईन आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छ.ग. के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

- **लिखित परीक्षा (**बहूविकल्पीय एवं ऑनलाईन) :– लिखित परीक्षा में सिर्फ एक प्रश्न पत्र होता है, जिसमें तीन घंटा में 150 प्रश्नों का ऑनलाईन उत्तर देना होता है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हेाता हैं। इस प्रश्न पत्र मे दो भाग होते है। पहला भाग छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान का होता है, इस भाग मे 50 प्रश्न होते है। दूसरा भाग आवेदक द्वारा चुने गए ऐच्छिक विषय का होता है, इस भाग में 100 प्रश्न होते है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। प्रष्न पत्र में ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक :– ऑनलाईन परीक्षा के अंतर्गत अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

चयन प्रक्रिया :– आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

- **छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान –** इसमें छत्तीसगढ़ राज्य के भूगोल, प्राकृतिक संसाधन, प्रशासनिक ढ़ांचा, इतिहास एवं संस्कृति, खेलकूद एवं विभिन्न पुरस्कार आदि से संबंधित प्रश्न होते है।
- **वैकल्पिक विषय –** इसके प्रश्न संबंधित विषय के स्नातकोत्तर स्तर के होते है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। वैकल्पिक विषय के लिए संबंधित विषय के स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक होती है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन में दो ही प्रकार के लोग असफल होते है :– पहले वे, जो सोचते तो हैं, पर करते नहीं, दूसरे वे, जो करते तो हैं पर सोचते नहीं।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (ग्रंथपाल भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत ग्रंथपाल पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। ग्रंथपाल का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतन मैट्रिक्स रू. 57,700 (अकादमिक स्तर – 10) होता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से पुस्ताकालय विज्ञान/सूचना विज्ञान/डाक्यूमेंटेशन विज्ञान में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। ग्रेडिंग पद्धति में 55 प्रतिशत अंकों के समतुल्य ग्रेड होना चाहिये। अजा/अजजा/अपिव/दिव्यांग वर्ग के आवेदकों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट रहती है।

2. यू.जी.सी. अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) या राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा (एस.एल.ई.टी.) अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य पात्रता (एस.ई.टी.) परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

टीप :– 1. संबंधित विषय में पी.एच.डी. (जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पी.एच.डी. डिग्री प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड एवं प्रक्रिया), विनियम 2009 के अनुसार पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त किया है) डिग्री वाले अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर या स्नातक अध्यापन हेतु NET या SET परीक्षा उत्तीर्ण होने से छूट होती है।

2. उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–**

परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (ऑनलाईन परीक्षा) – ऑनलाईन परीक्षा में निम्नानुसार दो भाग होते है –

1. प्रथम भाग – प्रथम भाग में सामान्य अध्ययन के 50 प्रष्न (कुल 100 अंक) होते है।

2. द्वितीय भाग – द्वितीय भाग में लाइब्रेरी एवं इन्फार्मेशन साईंस से संबंधित 100 प्रष्न (कुल 200 अंक) होते है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों भाग बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत प्रष्नों के लिए ऋणात्मक मुल्यांकन का प्रावधान होता है।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) :– प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, ऑनलाईन परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

भाग – 1 सामान्य अध्ययन – भाग–क सामान्य अध्ययन – इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते हैं।

भाग–ख छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

भाग–ग बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते हैं।

भाग – 2 लाइब्रेरी एवं इंफार्मेशन साईंस – इसके प्रश्न स्नातकोत्तर स्तर के होते हैं।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं संख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए लाइब्रेरी साईंस के स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक होती है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

DON'T TAKE REST AFTER YOUR FIRST VICTORY BECAUSE IF YOU FAIL IN SECOND, MORE LIPS ARE WAITING TO SAY, THAT YOUR FIRST VICTORY WAS JUST LUCK.

- DR. A.P.J.ABDUL KALAM

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

(सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी पद पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित किया जाता है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी का पद राजपत्रित द्वितीय श्रेणी का है तथा इसका वेतन मैट्रिक्स रू. 38,100 (स्तर–9) होता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक होना चाहिये।

टीप :– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता :–** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो भाग होते है –

1. भाग 1 – यह भाग सामान्य अध्ययन का होता है। इस भाग में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 50 प्रश्न सामान्य अध्ययन के लगभग 75 प्रश्न छत्तीसगढ़ से संबंधित तथा लगभग 25 प्रश्न बुद्धिमता परीक्षण का होता है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. भाग 2 – यह भाग विधि से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इन 150 प्रश्नों में लगभग 75 प्रश्न भारत के संविधान एवं वृहद् अधिनियम से संबंधित होते हैं तथा लगभग 75 प्रश्न लघु अधिनियम के होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों भाग बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत प्रष्नों के लिए ऋणात्मक मुल्यांकन का प्रावधान होता है।

न्यूनतम अर्हक अंक – लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम

अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों भागों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 300) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 30) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम (सामान्य अध्ययन) भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, भूगोल, संविधान, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समकालीन घटनायें, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान के प्रश्न होते है।

छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, साहित्य एवं कला, जनजातियॉ, अर्थव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढ़ॉचा, मानव संसाधन, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

बुद्धिमता परीक्षण – इसमें गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों के विश्लेषण संबंधी प्रश्न होते है।

भाग–2 (विधि) – 1. भारत का संविधान एवं वृहद् अधिनियम – इसमें भारत के संविधान के साथ ही भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के प्रश्न होते हैं।

2. लघु अधिनियम – इसमें छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, अजा एवं अजजा (अत्याचार निषेध) अधिनियम, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, छत्तीसगढ़ विशेष जनसुरक्षा अधिनियम, आयुध अधिनियम आदि सहित कुल 14 अधिनियमों से संबंधित प्रश्न होते हैं।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं सांख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपॉल लॉ पब्लिकेशन एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) उपयोगी है। डी.डी.बसु का भारत का संविधान एवं प्रतियोगिता दर्पण का राज व्यवस्था का अतिरिक्तांक भी लाभदायक है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये उच्च शिक्षा संचालनालय, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मनुष्य तीन प्रकार के होते है। निम्न श्रेणी के लोग असफलता की आशंका से कोई कार्य प्रारंभ ही नहीं करते है, मध्यम श्रेणी के लोग जोश मे आकर कार्य तो प्रारंभ कर देते है लेकिन छोटी सी भी मुश्किल आने पर अपना कार्य छोड़ देते है। उच्च श्रेणी के लोग सोच समझ कर अपना लक्ष्य निर्धारित करते है तथा एक बार लक्ष्य निर्धारित कर लेने के बाद कितने भी मुश्किल आने पर अपने कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते है।

– राजा भर्तहरि

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (मुख्य नगरपालिका अधिकारी भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों के लिये मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ख एवं वर्ग–ग की नियुक्ति के लिये, छत्तीसगढ़ मुख्य नगरपालिका अधिकारी भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
2. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. या स्थानीय स्वशासन या विधि में उपाधि या पत्रोपाधि धारण करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा/ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार–300 अंक)
द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (लिखित/ऑनलाईन परीक्षा) – लिखित/ऑनलाईन परीक्षा में निम्नानुसार दो भाग होते है –

भाग 1 – भाग–1 सामान्य अध्ययन का होता है। इस भाग में दो–दो अंक के कुल 75 प्रश्न होते हैं। इस भाग हेतु निर्धारित कुल अंक 150 होते है।

2. भाग 2 – भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 75 प्रश्न होते है।

• लिखित/ऑनलाईन परीक्षा के उपरोक्त दोनों भाग वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय प्रष्न) प्रकार के होते है। प्रत्येक प्रष्न के लिए 5 उत्तर होगें, जिनमें से 1 सही उत्तर का चुनाव करना होगा। गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान रहेगा।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के कुल प्राप्तांक के आधार पर साक्षात्कार हेतु वरीयता सूची तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार एवं विधि, स्वशासन एवं एम.बी.ए. अभ्यर्थियों के लिये आयोग द्वारा निर्धारित अंक (अधिकतम 3 अंक) इन तीनों के कुल प्राप्तांकों के आधार पर किया जाता है। मेरिट क्रम में पहले मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ख तत्पष्चात् मुख्य नगरपालिका अधिकारी वर्ग–ग के लिये चयन किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

भाग 1 (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते है –

भारतीय संस्कृति स्वरूप एवं विशेषतायें, सिन्धु घाटी की सभ्यता, 19 वीं शताब्दी के मध्य से स्वतंत्रता प्राप्ति तक भारत के इतिहास, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनायें, भारत का संविधान, छ0ग0 में स्थानीय प्रषासन, भारत की अर्थव्यवस्था, भारत का भूगोल, भारत के विकास में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका, भारतीय कृषि, खेलकूद, लोक प्रशासन, प्रशासनिक प्रक्रिया, बजट प्रक्रिया, विभिन्न अधिनियम (सूचना का अधिकार अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, छत्तीसगढ़ भूराजस्व संहिता, भारतीय दण्ड संहिता आदि) पर्यावरण प्रबंधन, आपदा प्रबंधन आदि।

भाग 2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचय) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्राकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in बहु उपयोगी है। छत्तीसगढ़ की सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। विभिन्न अधिनियमों के संबंध में सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपॉल लॉ पब्लिकेशन एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिंदगी हमेशा परीक्षा लेती है इस बात का ध्यान रखें कि कोई परीक्षा आपकी जिंदगी न ले ले। आपका जीवन अनमोल है।

– अज्ञात

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयु सीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अन्हर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान रहेगा।

न्यूनतम अर्हक अंक :– प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनाक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर साक्षात्कार हेतु वरीयता सूची तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत निम्न से संबंधित प्रश्न होते हैं –

भाग–1 सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भूगोल, संविधान, लोक प्रशासन एवं विधि, भारत के अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, समसामयिक घटनायें एवं खेलकूद तथा सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी प्रश्न पूछे जाते है।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित भौगोलिक स्थिति, मानव संसाधन, प्रकृति संसाधन, ऊर्जा संसाधन, उद्योग, शिक्षा, यातायात एवं संचार, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासनिक ढांचा, खेलकूद, इतिहास एवं संस्कृति, राज्य की जनजातियॉ, त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग–3 बुद्धिमता परीक्षण – इसके अंतर्गत गणितीय योग्यता, बुद्धिमता परीक्षण एवं आंकड़ों का विश्लेषण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते है।

द्वितीय प्रश्न पत्र (शैक्षिक प्रशासन एवं शिक्षा का अधिकार) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 6 इकाईयों से प्रश्न होते है –

1. शिक्षा का आधार, 2. शैक्षिक प्रशासन एवं नेतृत्व, 3, विद्यालय संगठन एवं सुधार
4. शिक्षा का गुणात्मक पक्ष एवं नवाचार, 5. शिक्षा का अधिकार, 6. शिक्षा का अधिकार

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, छत्तीसगढ़ शिक्षा संहिता एवं बी.एड. के शिक्षा से संबंधित पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा,
जो जस करहि सो तस फल चाखा।।
– तुलसीदास

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक संचालक जनसंपर्क परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक जनसंपर्क के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है। पूर्व वर्षों में सहायक संचालक जनसंपर्क का पद छत्तीसगढ़ राज्य सेवा संयुक्त परीक्षा के माध्यम से भरा जाता था, वर्ष 2014 में इसके लिये पहली बार पृथक से परीक्षा आयोजित की गई थी।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक या समकक्ष परीक्षा तथा पत्रकारिता में उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

- **वांछनीय अर्हताएँ :–** किसी समाचार पत्र–संस्थान में हिन्दी/अंग्रेजी पत्रकारिता में तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी को परीक्षा/साक्षात्कार में 10 अतिरिक्त अंक दिये जाने की प्राथमिकता दी जायेगी।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा–300 अंक)
द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है। उक्त परीक्षा हेतु समय अवधि 03 घंटे निर्धारित है। इसमें निम्नानुसार तीन भाग होते है –

भाग 1 – यह भाग सामान्य अध्ययन का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

भाग 2 – यह भाग छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है। **भाग 3 –** यह भाग योग्यता परीक्षण से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

टीप :– वस्तुनिष्ठ प्रकार के एक प्रष्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे। प्रत्येक गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर (ऑनलाईन लिखित परीक्षा) – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग 1 (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल, भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, भारत की अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय दर्षन, कला साहित्य एवं खेल, पर्यावरण आदि से संबंधित प्रष्न होते है।

भाग 2 (छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष परंपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 3 (योग्यता परीक्षण) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल,
2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता,
3. निर्णय निर्माण और समस्या निवारण
4. सामान्य मानसिक योग्यता,
5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर),
6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर),
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

हिन्दी भाषा ज्ञान एवं छत्तीसगढ़ भाषा से संबंधित प्रश्न उसी भाषा में होते है, इनका अनुवाद उपलब्ध नहीं होता है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नकारात्मक सोच : विफलता का कारण

यदि आप भी यह सोचते है कि वर्तमान में बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है तथा अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय कारणों से आपको रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे है तो यह आपका नकारात्मक सोच है। सकारात्मक सोचिए, रोजगार के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(माईनिंग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग इंस्पेक्टर एवं सहायक भौमिकीविद के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान विषय लेकर विज्ञान में स्नातक उपाधि अथवा माईनिंग इंजीनियरिंग में उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **शारीरिक अर्हता :–**

पुरूष अभ्यर्थी की ऊंचाई 165 सेमी. या उससे अधिक तथा महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई 152 सेमी. से अधिक होना अनिवार्य है। सीने का न्यूनतम माप सामान्य स्थिति में 81 सेमी. तथा फुलाने पर 85 सेमी. होना चाहिये।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है, जिसमें निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के लगभग 50 प्रश्न, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान का लगभग 75 प्रश्न तथा बुद्धिमता परीक्षण के लगभग 25 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र भू–विज्ञान से संबंधित होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 5 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 2/3 अंक काटा जायेगा, अर्थात् कुल अंक 2 (R-W/3) से निकाला जाता है जहां R–सही उत्तरों की संख्या, W–गलत उत्तरों की संख्या है।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में सामान्य वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) :– प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग–1 (सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छ.ग. का योगदान, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था, छत्तीसगढ़ का प्रषासनिक ढ़ांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, भारत की अर्थव्यवस्था, वाणिज्य, उद्योग, वन, कृषि एवं हाथकरघा उद्योग (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), छत्तीसगढ़ की जनजातियॉ, बोली, तीज, त्यौहार, नृत्य, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, समसामायिक घटनाएँ एवं खेल (भारत एवं छत्तीसगढ़ के संदर्भ में) पर्यावरण आदि के संबंध में प्रष्न होगें।

भाग 2 (भू–विज्ञान) – इसमें निम्न 10 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. सामान्य भू–विज्ञान,	2. भू–आकृति विज्ञान,	3, संरचनात्मक भू–विज्ञान
4. स्तरित शैल विज्ञान,	5. खनिज विज्ञान,	6. शैलीकीय विज्ञान,
7. आर्थिक भू–विज्ञान,	8. पूर्वेक्षण एवं अन्वेषण,	9. थ्योडोलाइट सर्वेक्षण,
10, सुदूर संवेदन		

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए भू विज्ञान के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भाग्य

उसने सारा दिन काम किया और सारी रात काम किया
उसने खेलना छोड़ा और मौज–मस्ती छोड़ी
उसने ज्ञान के ग्रंथ पढ़े और नई बातें सीखीं
वह आगे बढ़ता गया
पाने के लिये सफलता जरा–सी
दिल में विश्वास और हिम्मत लिये
वह आगे बढ़ा और जब वह सफल हुआ
लोगों न उसे भाग्यशाली कहा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

(माईनिंग ऑफिसर एवं सहायक भौमिकीविद् भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के अंतर्गत माईनिंग ऑफिसर (खनि अधिकारी) एवं सहायक भौमिकीविद् के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू–विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि अथवा प्रायोगिक भू–विज्ञान में अनुप्रयुक्त भू–विज्ञान (एप्लाइड जिऑलॉजी) में एम.टेक. उपाधि उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयु सीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार, ऑनलाईन परीक्षा–300 अंक)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा ऑनलाईन होती है। समय अवधि 03 घंटे का होता है। इसमें निम्नानुसार दो भाग होते हैं –

भाग 1 – यह भाग सामान्य ज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 50 प्रश्न (100 अंक) होते है।

भाग 2 – यह भाग भू–विज्ञान का होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 100 प्रश्न (200 अंक) होते है। सहायक भौमिकीविद् पद हेतु यह केवल अग्रेंजी भाषा में होता है।

टीप :– ये दोनों भाग वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रथम स्तर – इसके अंतर्गत निम्न भागों से संबंधित प्रश्न होते है –

भाग–1 (सामान्य ज्ञान) – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छ.ग. का योगदान, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था, छत्तीसगढ़ का प्रषासनिक ढ़ांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, भारत की अर्थव्यवस्था, वाणिज्य, उद्योग, वन, कृषि एवं हाथकरघा उद्योग (छत्तीसगढ़ के विषेष संदर्भ में), छत्तीसगढ़ की जनजातियॉ, बोली, तीज, त्यौहार, नृत्य, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, समसामायिक घटनाएँ एवं खेल (भारत एवं छत्तीसगढ़ के संदर्भ में) पर्यावरण आदि के संबंध में प्रष्न होगें।

भाग–2 (भू–विज्ञान) – इस प्रश्न पत्र में निम्न 14 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. STRUCTURAL GEOLOGY	2. GEOMORPHOLOGY & REMOTE SENSING
3. CRYSTALLOGRAPHY	4. MINERALOGY
5. GEOCHEMISTRY	6. STRATIGRAPHY/TECTONICS
7. IGNEOUS PETROLOGY	8. METAMORTHIC PETROLOGY
9. SEDIMENTOLOGY	10. ORE GEOLOGY
11. GEOCHEMICAL EXPLORATION	12. GEOPHYSICAL EXPLORATION
13. MINING GEOLOGY	14. ENVIRONMENT GEOLOGY

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षो के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए भू विज्ञान के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, खनिज संसाधन विभाग, रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बार–बार असफल होने पर भी उत्साह ना खोना ही सफलता है।
Success consists of going from failure to failure without loss of enthuiasm.
- Winston Churchill

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के रिक्त पदों की भर्ती के लिये परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–** आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से इंजीनियरिंग या तकनीकी (किसी भी शाखा में) उपाधि अथवा समकक्ष उपाधि (जो राज्य शासन द्वारा अनुमोदित हो) परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हतायें आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

3. **नियुक्ति हेतु अनहर्ता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – ऑनलाईन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार – 300 अंक)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार (30 अंक)

प्रथम स्तर (ऑनलाईन परीक्षा) – इसमें एक प्रश्न पत्र होते है। यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन एवं योग्यता परीक्षण का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं, इसमें सामान्य अध्ययन के 75 प्रश्न एवं योग्यता परीक्षण के 75 प्रश्न होते हैं। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 3.00 घंटा होती है।

टीप :– यह प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का होता है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में 4 विकल्प होंगे, जिनमें से सही उत्तर की पहचान करनी होगी। सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक दिये जायेगें। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 23 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 30 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर गुणानुक्रम एवं प्रवर्गवार किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–** **ऑनलाईन प्रश्न पत्र –** इसके अंतर्गत दो भाग होते है –

भाग 1 (अ) सामान्य अध्ययन – इसके अंतर्गत भारत के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल, भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, भारत की अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारतीय दर्षन, कला साहित्य एवं संस्कृति, समसमायिक घटनाएँ एवं खेल, पर्यावरण आदि से संबंधित प्रष्न होते है।

(ब) छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष पंरपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 2 योग्यता परीक्षण – इसमें निम्न 7 इकाईयों से प्रश्न होते हैं –

1. संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल
2. तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता
3. निर्णय – निर्माण और समस्या निवारण
4. सामान्य मानसिक योग्यता
5. सामान्य गणित (कक्षा दसवीं स्तर)
6. हिन्दी भाषा ज्ञान (कक्षा दसवीं स्तर)
7. छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान

हिन्दी भाषा ज्ञान एवं छत्तीसगढ़ भाषा से संबंधित प्रश्न उसी भाषा में होते है, इनका अनुवाद उपलब्ध नहीं होता है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। छत्तीसगढ़ी भाषा के ज्ञान के लिए छत्तीसगढ़ हिन्दी ग्रंथ एकादमी की पुस्तकें एवं हिन्दी भाषा के लिए डॉ. हरिदेव बाहरी एवं परीक्षा मंथन की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग रायपुर या छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गलत विश्वास : विफलता का कारण

एक प्रयोग के दौरान एक मरीन बायोलाजिस्ट ने एक बड़े टैंक में शार्क मछली को रखा और उसके साथ कुछ छोटी मछलियां उसी टैंक में डाल दी। शार्क ने अपनी प्रकृति के अनुसार सारी छोटी मछलियों को खा लिया। इसके बाद उस बायोलाजिस्ट ने टैंक में एक बहुत ही मजबूत फाइवर ग्लास लगा दिया और टैंक के दो हिस्से कर दिये। एक हिस्से में शार्क थी और दूसरे हिस्से में उसने फिर से छोटी मछलियों को डाला। जैसे ही शार्क की नजर उन पर पड़ी वो उन्हें खाने के लिए लपकी, पर इस बार बीच में फाइवर ग्लास होने की वजह से शार्क उससे जा टकराई। एक बार टकराने के बाद भी शार्क ने हार नहीं मानी। वह कुछ मिनटों के अंतराल के बाद बार–बार उस दिशा में बढ़ती जहां मछलियां थी और टकराकर फिर वापस पलट आती थी। शार्क जहां मेहनत कर रही थी वहीं दूसरी छोटी मछलियां आसानी से और आजाद तैर रही थी। कुछ घण्टों के बाद शार्क ने हार मान लिया। ये प्रयोग पूरे हफ्ते में कई बार किया गया। धीरे–धीरे शार्क के हमले कम होते गए और अब वह ज्यादा जोर भी नहीं लगाती थी। बार बार कोशिश करते रहने पर भी मछलियों तक नहीं पहुंच पाने से शार्क ने थककर हार मान ली और प्रयास करना छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद उस बायोलाजिस्ट ने बीच में रखा फाइवर ग्लास हटा दिया इसके बाद भी शार्क ने कभी मछलियों पर हमला नहीं किया। शार्क को पिछले कुछ हफ्तों में विश्वास हो गया था कि उन मछलियों तक नहीं पहुंच सकती है।

हम में से भी कई लोग हार और निराशा का अनुभव करने के बाद कोशिश करना छोड़ देते है। हम सोंचते हैं कि क्योंकि हम पहले कई बार हार चुके है और सफल नहीं हुए, इसलिए आगे भी सफल नहीं हो सकते है। इस प्रकार के गलत विश्वास को त्यागकर सतत परिश्रम करने से सफलता मिलना सनिष्चित हैं।

छत्तीसगढ़ सिविल जज (एण्ट्री लेवल) भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य के जिला एवं खण्ड स्तरीय न्यायालयों में सिविल जज (प्रवेश स्तर) की नियुक्ति के लिये, छ.ग. सिविल जज भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एल.एल.बी.) की उपाधि।

टीप :– 1. उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हता मान्य नहीं होती है।

2. **नियुक्ति हेतु अनर्हता –** छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

आवेदक को ऑनलाईन आवेदन वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रारंभिक परीक्षा	–	वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार (ऑनलाईन–100 अंक)
मुख्य परीक्षा (लिखित)	–	वर्णनात्मक प्रकार (100 अंक)
तृतीय स्तर	–	साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) की होती है जिसमें आवेदक को 2 घण्टा की समयावधि में 100 प्रश्नों का उत्तर देना होता है, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्न निम्न 15 अधिनियमों/संहिताओं से पुछे जाते है –

1. भारतीय दण्ड संहिता	2. सिविल प्रक्रिया संहिता
3. अपराधिक प्रक्रिया संहिता	4. भारतीय साक्ष्य अधिनियम
5. भारत का संविधान	6. संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम
7. संविदा अधिनियम	8. परिसीमन अधिनियम
9. आवास नियंत्रण अधिनियम	10. कोर्ट फीस अधिनियम
11. विशिष्ठ राहत अधिनियम	12. पंजीयन अधिनियम
13. छत्तीगढ़ भू राजस्व संहिता	14. द नेगोशिएबल इन्स्टूमेन्ट एक्ट 1881
15. छत्तीगढ़ आबकारी अधिनियम 1915	

प्रारंभिक परीक्षा स्क्रीन टेस्ट के रूप में ली जाती है तथा इसके प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार रिक्तियों की संख्या के 10 गुना आवेदकों को मुख्य परीक्षा के लिए पात्र घोषित किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक अतिम चयन में नहीं जोड़े जाते है।

2. मुख्य परीक्षा (लिखित) – प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित किये गये अभ्यर्थियों की मुख्य परीक्षा (लिखित) आयोजित की जाती है। 100 अंको की वर्णनात्मक प्रकार की यह परीक्षा 3 घण्टा समयावधि की होती है। इस परीक्षा की संरचना एवं अंक विभाजन निम्नानुसार है :–

1. सिविल केस के विवादित प्रश्नों का समाधान करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
2. अपराधिक केस में आरोप तय करते हुए निर्णय लिखना (40 अंक)
3. (अ) हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद (10 अंक)
   (ब) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद (10 अंक)

3. साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा (लिखित) के प्राप्तांको के आधार पर संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक संवर्ग के रिक्तियों की संख्या के 3 गुना आवेदकों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार 15 अंकों का होता है। अनारक्षित वर्ग के आवदेक को न्यूनतम 33 प्रतिषत एवं अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. के आवेदकों को न्यूनतम 25 प्रतिषत अंक प्राप्त करना आवष्यक है। साक्षात्कार में आवेदक को शामिल होना अनिवार्य होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन मुख्य परीक्षा (लिखित) (कुल अंक 100) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 15) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है। चयनित आवेदकों को 2 वर्ष के लिए परिविक्षा पर नियुक्त किया जाता है। परिविक्षा अवधि में उनका कार्य संतोषजनक नहीं होने की स्थिति में उन्हें बर्खास्त किये जाने का प्रावधान है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के विधिक भाग के लिए सुविधा लॉ हाउस, खेत्रपाल लॉ हाउस एवं इंडिया लॉ पब्लिकेशन के बेयर एक्ट (Diglot) तथा हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद के लिए व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिये, सफलता की इच्छा, असफलता के भय से अधिक होनी चाहिये। **If order to succeed, your desire for success should be greater then your fear of failure.** **- Bill Cosby**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ वन सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा वन विभाग के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक एवं वन क्षेत्रपाल पदों पर संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि, वनस्पति शास्त्र, कम्प्यूटर अनुप्रयोग/विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, वानिकी, भू–विज्ञान, बागवानी, गणित, सांख्यिकीय, भौतिकीय, पशु विज्ञान, प्राणी शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

2. जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र में से कम से कम एक विषय के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीप :– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

❖ **शारीरिक मापदण्ड (न्यूनतम) :–**

क्रमांक	विवरण	पुरूष	महिला
1	ऊंचाई (अनु. जनजाति को छोड़कर)	163 से.मी.	150 से.मी.
2	ऊंचाई (अनु. जनजाति)	152 से.मी.	145 से.मी.
3	सीना	79 से.मी.	74 से.मी.
4	न्यूनतम सीना विस्तार	5 से.मी.	5 से.मी.
5	चार घण्टे पैदल चलना	26 कि.मी.	16 कि.मी.

3. नियुक्ति हेतु अनर्हता – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयु सीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015 /1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयुसीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)

द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते है –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमें सामान्य अध्ययन, भाषा (हिन्दी, अंग्रजी एवं छत्तीसगढ़ी), बुद्धिमत्ता परीक्षण, विष्लेषणात्मक एवं तार्किक योग्यता से संबंधित प्रष्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र विज्ञान, प्रोद्योगिकी, पर्यावरण, कृषि विज्ञान एवं वानिकी से संबंधित होता है। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते है। इसमें रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण संबंधित 12वी स्तर के प्रष्न होते है। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। गलत उत्तर हेतु ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान होगा।

न्यूनतम अर्हक अंक – लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह कम से कम 23 प्रतिशत अंक होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम – भाग 1 (सामान्य अध्ययन) – इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जलवायु, भौतिक दषाएँ, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केन्द्र, साहित्य, संगी, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनऊला, मुहावरे, हाना एवं लोकोत्तियॉ, जनजातियॉ, विषेष परंपराएँ, तीज, त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रषासनिक ढांचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन, समसामयिक घटनाएँ आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

भाग 2 भाषा – इसमें सामान्य हिन्दी, अंग्रेजी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा के शब्दों एवं व्याकरण संबंधी प्रष्न होते है।

भाग 3 बुद्धिमता परीक्षण, विष्लेषणात्मक एवं तार्किक योग्यता – इसमें संचार कौषल सहित पारस्परिक कौषल, तार्किक तर्क और विष्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय–निर्माण और समस्या निवारण, सामान्य मानसिक योग्यता, सामान्य गणितीय कौषल (स्तर कक्षा दसवी), आंकड़ों की व्याख्या (स्तर कक्षा दसवी) संबंधी प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र– विज्ञान प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कृषि एवं वानिकी –

1. रसायन विज्ञान 2. भौतिक विज्ञान 3. जीव विज्ञान 4. प्रौद्योगिकी 5. पर्यावरण
6. कृषि विज्ञान 7. वानिकी

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से बारहवीं तक विज्ञान के पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफलता का एक ही सूत्र है, और वह यह है कि जब अन्य हिम्मत हार चुके हो तब भी आप अपने काम में डटे रहतें हैं।

– विलियम फैदर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
(छत्तीसगढ़ राज्य अभियांत्रिकी सेवा भर्ती परीक्षा)

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आदि के लिये सहायक अभियंता पदों पर नियुक्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

1. आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल/मेकेनिकल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिये।

टीपः– उपर्युक्त आवश्यक अर्हता आवेदन करने की अंतिम तिथि अथवा उसके पूर्व का होना अनिवार्य है। आवेदन करने के बाद की तिथि के शैक्षणिक अर्हतायें मान्य नहीं होती है।

2. नियुक्ति हेतु अनर्हता – छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 के नियम 6 में आवेदकों के लिये सिविल सेवा में नियुक्ति हेतु अनर्हता निर्धारित की गई है। यदि कोई आवेदक इन अनर्हताओं में आता है तो वह नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

❖ **आयुसीमा :–** 21 वर्ष से 35 वर्ष तक (छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 3–2/2015/1–3 नया रायपुर दिनांक 30.01.2019 में दिये गये निर्देष अनुसार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों के लिये अधिकतम आयुसीमा 40 वर्ष)

टीप :– 1. छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा/अपिव के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, महिला एवं निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। सभी प्रकार के छूट का लाभ लेने के बाद आवेदक की अधिकतम आयुसीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के अतिरिक्त अन्य राज्यों के सभी श्रेणी के आवेदकों को अनारक्षित श्रेणी में माना जाता है तथा उन्हें आयु सीमा संबंधी एवं अन्य छूट का लाभ प्राप्त नहीं होता है। अन्य राज्य के आवेदकों के लिये अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष होती है।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.in पर आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। सिर्फ ऑनलाईन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जाते हैं।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार ONLINE)
द्वितीय स्तर – साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) – लिखित परीक्षा में निम्नानुसार दो प्रश्न पत्र होते हैं –

1. प्रथम प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन का होता है। इस प्रश्न पत्र में दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। इसमें सामान्य अध्ययन, छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान एवं बुद्धिमता परीक्षण से संबंधित प्रश्न होते है। 300 अंक के इस प्रश्न पत्र की समय अवधि 2.30 घंटा होती है। यह प्रश्न पत्र सभी शाखा के आवेदको के लिए अनिवार्य होता है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र (सिविल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी) – यह प्रश्न पत्र सिविल/यांत्रिकी/विद्युत अभियांत्रिकी शाखा का होता है, जिसमें से किसी एक विषय में परीक्षा देनी होगी। इसमें दो–दो अंक के कुल 150 प्रश्न होते हैं। 300 अंक वाले इस प्रश्न पत्र की अवधि 2.30 घंटे होती है।

टीप :– लिखित परीक्षा ONLINE ही होता है, द्वितीय प्रश्न पत्र सिर्फ अंग्रेजी भाषा में होता है।

अंकों की गणना – उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के 4 संभावित उत्तर दिये जाते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 2 अंक प्रदान किया जाता है। वर्ष 2020 में आयोजित परीक्षा में गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंक का प्रावधान नहीं रखा गया था।

न्यूनतम अर्हक अंक – प्रत्येक प्रश्न पत्र में अनारक्षित वर्ग के आवेदक को कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। अजा/अजजा/अपिव के आवेदकों के लिये यह न्यूनतम अर्हक अंक 30 प्रतिशत होता है। न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले आवेदकों के दोनों प्रश्न पत्रों के कुल प्राप्तांक के आधार पर वरीयता सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की जाती है।

द्वितीय स्तर (साक्षात्कार) – प्रथम चरण में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 75 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 75) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र प्रथम – भाग–1 (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारत का भूगोल, भारत का संविधान, लोक प्रषासन एवं विधि, भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, जल, खनिज एवं वन संसाधन, समसामयिक घटनाएँ एवं खेलकूद, सामान्य विज्ञान एवं कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान के प्रश्न होते है।

भाग–2 छत्तीसगढ़ का सामान्य ज्ञान – इसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ का योगदान, भूगोल, जल, खनिज संसाधन, जलवायु एवं भौतिक दषायें, साहित्य, संगीत, नृत्य, कला एवं संस्कृति, जनजातियॉ, बोली, तीज एवं त्यौहार, अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि, प्रशासनिक ढ़ॉचा, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज, मानव संसाधन एवं ऊर्जा संसाधन, षिक्षा, स्वास्थ्य एवं समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र – यह प्रश्न पत्र सिविल/मेकेनिकल/इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी शाखा के स्नातक स्तर के होते है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, उपयोगी है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान के लिए उपकार प्रकाशन का छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ, अरिहन्त एवं लूसेन्ट प्रकाशन की किताबें एवं SCERT रायपुर की कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक की हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान की किताबें लाभकारी है। छत्तीसगढ़ शासन की वेबसाईट www.cg.gov.in एवं साप्ताहिक पत्रिका रोजगार एवं नियोजन लाभदायक है। तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तकें उपयोगी है। द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न पत्र के लिए संबंधित अभियांत्रिकी शाखा के स्नातक स्तर के पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी के लिये छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सफल होने के लिए आपको असफलता का स्वाद अवश्य चखना चाहिए ताकि आपको यह पता चल सके कि अगली बार कौन सी गलती नहीं करनी है।

– एंथनी जे. डींएंजोलो

संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा (I.A.S.) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S), भारतीय पुलिस सेवा (I.P.S), भारतीय विदेश सेवा (I.F.S), भारतीय राजस्व सेवा (I.R.S), भारतीय डाक सेवा, भारतीय रेल्वे लेखा सेवा, भारतीय लेखा परीक्षक सेवा, भारतीय रेल्वे यातायात सेवा, भारतीय सूचना सेवा, केन्द्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवा ग्रुप–ब, पुलिस सेवा ग्रुप–ब आदि के लिये संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में रायपुर, बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। मुख्य परीक्षा सामान्यतः सितबंर/अक्टूबर में आयोजित किया जाता है।

❖ **शैक्षणिक अर्हता :–**

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष डिग्री। जो उम्मीदवार स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

❖ **आयुसीमा :–**

जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है, उस वर्ष 01 अगस्त को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

- **अवसरों की संख्या :–** जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताऍं पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया :–**

आवेदको को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 चरणों में आयोजित की जाती है –

1. प्रारंभिक परीक्षा – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार)
2. मुख्य परीक्षा – लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) तथा साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा – प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	200	2 घंटा
योग			**400**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है। द्वितीय प्रष्न पत्र अर्हक पेपर होता है, जिसके लिए न्यूनतम अर्हक अंक 33% निर्धारित किया गया है। प्रारंभिक परीक्षा की मेरिट सूची हेतु द्वितीय प्रष्न पत्र के अंक नहीं जोड़े जाते है।

2. वे आवेदक जो प्रांरभिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते है, वे उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में प्रवेष के पात्र होते है।

मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार – मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परम्परागत प्रकार के वर्णनात्मक लघु/मध्यम/दीर्घ उत्तरीय होते है। लिखित परीक्षा में दो प्रकार के प्रश्न पत्र होते हैं – 1. अर्हक प्रश्न पत्र, 2. वे प्रश्न पत्र जिनके आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाती है।

1. अर्हक प्रश्न पत्र – इसमें वर्णनात्मक प्रकार के 300–300 अंक के दो प्रश्न पत्र होते हैं। पहला प्रश्न पत्र संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से आवेदक द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा का तथा दूसरा प्रश्न पत्र अंग्रेजी

भाषा का। अर्हक प्रश्न पत्रों के अंक अंतिम वरीयता सूची तैयार करते समय नहीं जोड़े जाते हैं, इनमें सिर्फ आवेदकों को आयोग द्वारा निर्धारित अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

2. वरीयता क्रम के लिये जिन प्रश्न पत्रों को आधार बनाया जाता है, उसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम	निबंध	250	3 घंटा
2.	द्वितीय	सामान्य अध्ययन 1 (भारत का इतिहास एवं संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)	250	3 घंटा
3.	तृतीय	सामान्य अध्ययन 2 (भारत का शासन व्यवस्था, संविधान, शासन प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	250	3 घंटा
4.	चतुर्थ	सामान्य अध्ययन 3 (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैवविविधता, पर्यावरण सुरक्षा, आपदा प्रबंधन)	250	3 घंटा
5.	पंचम	सामान्य अध्ययन 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)	250	3 घंटा
6.	षष्ठम	वैकल्पिक विषय प्रथम प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
7.	सप्तम	वैकल्पिक विषय द्वितीय प्रश्न पत्र	250	3 घंटा
योग			**1750**	

टीप :– मुख्य परीक्षा के लिये भी प्रारंभिक परीक्षा की तरह न्यूनतम अर्हक अंक आवेदकों को प्राप्त करना अनिवार्य है।

वैकल्पिक विषय – आयोग द्वारा वैकल्पिक विषयों को दो समूहों में बांटा गया है। प्रथम समूह में कुल 25 विषय यथा रसायन, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, गणित आदि हैं। द्वितीय समूह में साहित्य से संबंधित 23 विषय यथा हिन्दी साहित्य, उर्दू साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य आदि हैं। वही आवेदक द्वितीय समूह के किसी साहित्यिक विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में चुन सकते हैं, जिन्होंने उसे स्नातक में एक मुख्य विषय के रूप में अध्ययन किया हो।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

मुख्य परीक्षा में अर्हक घोषित किये गये आवेदकों का संवर्गवार वरीयता सूची तैयार की जाती है तथा प्रत्येक पद के विरूद्ध सामान्यतः 3 आवेदकों को साक्षात्कार के लिये बुलाया जाता है। साक्षात्कार 275 अंक का होता है। साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने के लिये कोई न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य नहीं होता है। आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1750) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 275) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम प्रश्न पत्र – (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्षन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें बोधगम्यता, संचार कौशल सहित वैयक्तिक कौशल, तर्क कौशल एवं विष्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

लिखित परीक्षा – इसके पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट www.upsc.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम ऑनर्स स्तर का होता है, अर्थात् स्नातक से थोड़ा अधिक तथा स्नातकोत्तर से थोड़ा कम। इंजीनियरी, मेडिकल तथा लॉ के प्रश्न पत्रों का स्तर स्नातक स्तर का होता है।

साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण :–

साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थियों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। संविधान के लिए डी.डी. वसु, भारतीय राजनीति के लिए एम.लक्ष्मीकांत, इतिहास के लिए विपिन चन्द्र एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए तपन विश्वाल एवं फाड़िया की पुस्तकें उपयोगी है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमों की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल, अरिहन्त प्रकाशन एवं टाटा मैकग्रेथ की पुस्तकें उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा के प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप यह सोचते है कि ज्ञान पाना महंगा है तो अज्ञानी बनकर देखिए।
– डेरेक बॉक

भारतीय वन सेवा (IFS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय वन सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, वर्ष 2013 से सिविल सेवा परीक्षा के साथ सामान्यतः अप्रैल/मई माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। प्रारंभिक परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा के अनुसार ही तथा लिखित परीक्षा सामान्यतः नवम्बर/दिसंबर माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–**

आवेदक के पास पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकीय और प्राणि विज्ञान में से किसी एक विषय के साथ स्नातक डिग्री अथवा कृषि विज्ञान, वानिकी या इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिये। जो उम्मीदवार उक्त स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

शारीरिक मापदण्ड :– ऊँचाई – पुरूषों के लिये 163 सेंटीमीटर महिलाओं के लिये 150 सेटीमीटर तथा सीना पुरूषों के लिये 84 सेंटीमीटर।

❖ **आयुसीमा :–** जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 अगस्त को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 32 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

- **अवसरों की संख्या** :– जो उम्मीदवार अन्य सभी योग्यताएँ पूर्ण करते है उन्हें उक्त परीक्षा में 6 बार शामिल होने की पात्रता होती है। यह बंधन अजा/अजजा वर्ग के आवेदकों पर लागू नहीं होता है तथा अन्य पिछडा वर्ग के आवेदकों के लिये अवसरों की अधिकतम संख्या 9 है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया** :– आवेदको को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** वर्ष 2013 से भारतीय वन सेवा परीक्षा की परीक्षा योजना में परिवर्तन किया गया है तथा सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के साथ ही इसके लिये भी प्रारंभिक परीक्षा आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा निम्नानुसार 2 चरणों में आयोजित की जावेगी –

1. प्रारंभिक परीक्षा :– वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रकार
2. मुख्य परीक्षा :– लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) एवं साक्षात्कार

प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) :– प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है। परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन	200	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र	योग्यता परीक्षा	200	2 घंटा
योग			**400**	

टीप :– 1. ये दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर एक तिहाई अंक काटा जाता है।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र में UPSC द्वारा न्यूनतम अर्हक अंक 33% प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इसके अंक वरीयता सूची में नही जोड़े जाते है।
4. प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते है।

मुख्य परीक्षा (लिखित परीक्षा) वर्णनात्मक प्रकार :– इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। प्रत्येक अभ्यर्थी को दो वैकल्पिक विषयों का चयन करना होता है तथा प्रत्येक वैकल्पिक विषय के 2–2 प्रश्नपत्र होते है।

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	300 अंक
प्रश्न पत्र–2	सामान्य ज्ञान	300 अंक
प्रश्न पत्र–3	वैकल्पिक विषयों की सूची में से चुने गये कुल दो विषय (प्रत्येक विषय के दो–दो प्रश्न पत्र)	200 अंक
प्रश्न पत्र–4		200 अंक
प्रश्न पत्र–5		200 अंक
प्रश्न पत्र–6		200 अंक

वैकल्पिक विषयों की सूची :–

कृषि विज्ञान	कृषि इंजीनियरी	पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान
वनस्पति विज्ञान	रसायन विज्ञान	रसायन इंजीनियरी
सिविल इंजीनियरी	वानिकी	भू–विज्ञान
गणित	यांत्रिकी इंजीनियरी	भौतिकी
सांख्यिकीय	प्राणी विज्ञान	

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र की समयावधि 3 घण्टा होती है।
3. उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषयों को एक साथ वैकल्पिक विषय के रूप में चुनने की अनुमति नहीं है – (क) कृषि विज्ञान और कृषि इंजीनियरी (ख) कृषि विज्ञान और पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान (ग) कृषि विज्ञान और वानिकी (घ) रसायन विज्ञान और रसायन इंजीनियरी (ड.) गणित और सांख्यिकी (च) इंजीनियरी के विषयों में एक से अधिक विषय नहीं।
4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
5. वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्रों में प्रश्नों की कुल संख्या 8 होती है। सभी प्रश्नों के अंक बराबर होते है। प्रत्येक प्रश्न पत्र के दो भाग होते है अर्थात् भाग (क) और भाग (ख)। प्रत्येक भाग में चार प्रश्न होते है। 8 प्रश्नों में से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होते है। प्रत्येक भाग में एक प्रश्न अनिवार्य होता है। आवेदक को प्रत्येक भाग में से कम से कम 2 प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक होता है। अर्थात् एक अनिवार्य प्रश्न तथा एक अन्य प्रश्न।

साक्षात्कार – ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 300 अंक का होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–** आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1400) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 300) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) – इसमें भारत के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, संविधान एवं राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, दर्शन, कला एवं संस्कृति के साथ–साथ सामान्य विज्ञान, समसामयिक घटनायें, खेलकूद एवं पर्यावरण से संबंधित प्रश्न होते है।

द्वितीय प्रश्न पत्र (योग्यता परीक्षा) – इसमें संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल, तर्क एवं विश्लेषण क्षमता, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक अभिरूचि, अंग्रेजी भाषा का प्रारंभिक ज्ञान (दसवीं कक्षा स्तर का) आदि से संबंधित प्रश्न होते है।

मुख्य परीक्षा :– सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान या इंजीनियरी स्नातक से अपेक्षा की जाती है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम। इंजीनियरी विषयों के मामले में यह स्तर बैचलर डिग्री का होता है।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निंबंध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार – साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थी से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त (दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं उपकार प्रकाशन के अतिरिक्तांक, सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र पत्रिकायें एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। संविधान के लिए डी.डी. वसु, भारतीय राजनीति के लिए एम.लक्ष्मीकांत, इतिहास के लिए विपिन चन्द्र एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के लिए तपन विश्वाल एवं फाड़िया की पुस्तकें उपयोगी है। दुरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमो की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए तर्कशक्ति, सामान्य मानसिक योग्यता एवं साख्यात्मक अभिरूचि के लिए आर.एस.अग्रवाल, अरिहन्त प्रकाशन एवं टाटा मैकग्रेथ की पुस्तकें उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है। वैकल्पिक विषयों के लिए संबंधित विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पुस्तकों का अध्ययन कर सकते है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

सकारात्मक सोच : सफलता का आधार

बाइबिल में बताई गई डेविड और गोलियथ की कहानी हम में से अधिकतर लोग जानते है। गोलियथ एक राक्षस था, उसने हर आदमी के दिल में अपनी दहशत बैठा रखी थी। एक दिन 17 साल का एक भेड़ चराने वाला लड़का अपनी भाईयों से मिलने के लिए आया। अपने भाईयों को गोलियथ से भयभीत देखकर उसने उनसे पूछा कि तुम लोग इस राक्षस से लड़ते क्यों नही हो ? उसके भाईयों ने जवाब दिया " क्या तुमने नहीं देखा कि वह कितना बड़ा है कि उसे मारा नहीं जा सकता है ?" इस पर डेविड ने मुस्कुराकर कहा "बात यह नहीं है कि बड़ा होने की वजह से उसे मारा नहीं जा सकता, बल्कि हकीकत यह है कि वह इतना बड़ा है कि उस पर लगाया गया निशाना चूक ही नहीं सकता" । फिर डेविड ने उस राक्षस को गुलेल से मार डाला। राक्षस वही था लेकिन उसके बारे में डेविड का नजरिया अलग था।

यदि आप डेविड जैसे आशावादी सोच वाले व्यक्ति है तो आपका यह नजरिया कामयाबी की सीढ़ी बन सकता है।

भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष संयुक्त भारतीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा, भारतीय रेल भण्डार सेवा, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, भारतीय रक्षा इंजीनियरी सेवा, भारतीय आयुध कारखाना सेवा, भारतीय आपूर्ति सेवा आदि में सिविल, यांत्रिकी, वैद्युत एवं इलेक्ट्रानिकी तथा दूरसचार इंजीनियरों का चयन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः सितम्बर/अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः जनवरी/फरवरी माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** आवेदक के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इंजीनियरी की डिग्री होना चाहिए अथवा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) की इंस्टीट्यूशन परीक्षाओं के सेक्शन ए और बी उत्तीर्ण या इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स (भारत) की स्नातक सदस्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो या इलेक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) के ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो। जो उम्मीदवार उक्त स्नातक की परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते है।

❖ **आयुसीमा :–** जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा उस वर्ष 01 जनवरी को आवेदक की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो जानी चाहिये किन्तु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया :–**

आवेदकों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–**

1) प्रथम चरण :– प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)
2) द्वितीय चरण :– मुख्य परीक्षा (परंपरागत प्रकार)
3) तृतीय चरण :– व्यक्तित्व परीक्षण

- इस परीक्षा में प्रथम चरण में 2 प्रश्न पत्र, द्वितीय चरण में 2 प्रश्न पत्र होते है।

प्रथम चरण (बहुविल्पीय उत्तर) :–

प्रश्न पत्र	विषय	अवधि	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	सामान्य अध्ययन एवं इंजीनियरिंग अभिरूचि	2 घंटा	200 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	इंजीनियरी शाखा से संबंधित प्रश्न पत्र	3 घंटा	300 अंक
योग :–			**500 अंक**

द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) :– केवल वे अभ्यर्थी जिन्हें आयोग द्वारा वर्ष में प्रारंभिक (प्रथम चरण) परीक्षा उत्तीर्ण धोषित किया गया है, वे ही उस वर्ष की द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

प्रश्न पत्र	विषय	अवधि	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–1	3 घंटा	300 अंक
द्वितीय प्रश्न पत्र	इंजीनियरी से संबंधित शाखा प्रश्न पत्र–2	3 घंटा	300 अंक
योगः–			**600 अंक**

इंजीनियरी के संबंधित शाखाओं की सूची :–

सिविल	इलेक्ट्रिकल	मैकेनिकल
इलेक्ट्रानिकी तथा टेलीकम्यूनिकेशन		

टीप :–

1. प्रथम चरण (प्रारंभिक परीक्षा) के सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है। इन प्रश्नों के गलत उत्तर देने पर नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है।
2. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी पेपरों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।
3. द्वितीय चरण (मुख्य परीक्षा) के प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।

तृतीय चरण (व्यक्तित्व परीक्षण)/साक्षात्कार :–

ऐसे अभ्यर्थी जो प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण की परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

- **अंतिम परिणाम :–** प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण की परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम/अंतिम रैकिंग निर्धारित की जाती है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, प्रारंभिक परीक्षा (कुल अंक 500), मुख्य परीक्षा (कुल अंक 600) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको तथा उसके द्वारा विभिन्न पदों के लिए दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है। जिन सेवाओं और पदों का आवेदक ने उल्लेख नहीं किया है उन सेवाओं और पदो ंके लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम प्रारंभिक एवं लिखित परीक्षा :–**

सामान्य अध्ययन एवं इंजीनियरी अभिरूचि के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होता है जिसके भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। इंजीनियरी के चयनित शाखा के प्रश्न पत्रों का स्तर बैचलर डिग्री का होता है। अन्य प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य ज्ञान के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

साक्षात्कार – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता/पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार सभी पदों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक/निःशक्त (दृष्टि एवं श्रवण) आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** प्रारंभिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन के लिए NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तके एवं सामान्य विज्ञान के लिए स्पेक्ट्रम की प्रकाशन की पुस्तकें, समसामयिक घटनाक्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, एवं भारत सरकार की वेबसाईट www.india.gov.in एवं BBC की वेबसाइट www.bbc.hindi.com बहु उपयोगी है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के समाचार समसामयिक घटनाक्रमो की तैयारी के लिए बहु उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा के प्रारंभिक ज्ञान के लिए अरिहन्त प्रकाशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की किताबें उपयोगी है। वेबसाईट www.examrace.com से परीक्षार्थी पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र एवं उसके व्याख्यात्मक हल प्राप्त कर सकते है। इंजीनियरिंग से संबंधित प्रश्न पत्रों के लिए बी.ई. की पुस्तकें उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते है।

मुझे सफलता का मंत्र नहीं पता, पर सभी को खुश करने का प्रयास करना ही असफलता का मंत्र है। I don't know the key of success, but the key to failure is trying to please everybody.

- Bill Cosby

भारतीय आर्थिक सेवा (IES) एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा (ISS) परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय आथिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा संयुक्त परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष, सामान्यतः फरवरी/मार्च माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। लिखित परीक्षा सामान्यतः मई/जून माह में देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। लिखित परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ में कोई परीक्षा केन्द्र नहीं है। छत्तीसगढ़ के आवेदकों के लिए निकटतम परीक्षा केन्द्र भोपाल/कटक है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–**

क्र.	पद का नाम	शैक्षणिक अर्हता	आयुसीमा
1	भारतीय आर्थिक सेवा	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र/प्रायोगिक अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र/अर्थशास्त्र सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होना चाहिए।	21 से 30 वर्ष पूर्ण न हो (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)
2	भारतीय सांख्यिकी सेवा	किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से सांख्यिकी/गणितीय सांख्यिकी/प्रायोगिक सांख्यिकी में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि **या** सांख्यिकी/गणितीय सांख्यिकी/प्रायोगिक सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री होना चाहिए।	21 से 30 वर्ष पूर्ण न हो (विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष के 01 अगस्त को)

टीप :– जो उम्मीदवार उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर के उपरोक्त परीक्षा में बैठ रहे है और जिनका अंतिम परिणाम प्राप्त नहीं हुआ है वे भी परीक्षा में सम्मलित हो सकते है। भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष, निःशक्त अभ्यर्थियों को 10 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है।

❖ **आवेदन की प्रक्रिया** :– उम्मीदवारों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

❖ **परीक्षा योजना :–** उपरोक्त परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाती है।

प्रथम चरण – लिखित परीक्षा (वर्णानात्मक प्रकार, 1000 अंक)

द्वितीय चरण :– मौखिक परीक्षा/साक्षात्कार (200 अंक)

लिखित परीक्षा (वर्णनात्मक प्रकार) :– इस परीक्षा में 6 प्रश्नपत्र होते है। भारतीय आर्थिक सेवा एवं भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है – (A) **भारतीय आर्थिक सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सामान्य अर्थशास्त्र–1	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सामान्य अर्थशास्त्र–2	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सामान्य अर्थशास्त्र–3	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–6	भारतीय अर्थशास्त्र	200 अंक	3 घंटा

(B) **भारतीय सांख्यिकी सेवा (कुल अंक 1000)**

प्रश्न पत्र–1	सामान्य अंग्रेजी	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–2	सामान्य अध्ययन	100 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–3	सांख्यिकी–1 (वस्तुनिष्ठ)	200 अंक	2 घंटा
प्रश्न पत्र–4	सांख्यिकी –2 (वस्तुनिष्ठ)	200 अंक	2 घंटा
प्रश्न पत्र–5	सांख्यिकी –3 (वर्णात्मक)	200 अंक	3 घंटा
प्रश्न पत्र–6	सांख्यिकी–4 (वर्णात्मक)	200 अंक	3 घंटा

टीप :–

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर आवेदक को सिर्फ अंग्रेजी भाषा में ही लिखना होता है। प्रश्न पत्र भी अंग्रेजी भाषा में होते है।
2. आवेदकों को परीक्षा में केवल वर्णात्मक प्रकार के पेपरों में साइन्सटिफिक (Non Programmable Type) कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति होती है।

साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा :–

ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में सफल होते है उन्हें वरीयता क्रम के अनुसार आयोग द्वारा निर्धारित अनुपात में साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार अधिकतम 200 अंक का होता है।

❖ **चयन प्रक्रिया :–**

आयोग द्वारा अभ्यर्थी का चयन, लिखित परीक्षा (कुल अंक 1000) तथा साक्षात्कार (कुल अंक 200) के कुल प्राप्तांको के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

अ) लिखित परीक्षा :– सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होते है। वैकल्पिक विषयों के प्रश्न पत्र लगभग आनर्स डिग्री स्तर के होते है, अर्थात् बैचलर डिग्री से कुछ अधिक और मास्टर डिग्री से कुछ कम।

सामान्य अंग्रेजी के पेपर में आवेदक को अंग्रेजी में एक निंबंध लिखना होता है तथा अन्य प्रश्न ऐसे पुछे जाते है जिससे उसकी अंग्रेजी भाषा की ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन के पेपर में सामयिक घटनाओं के ज्ञान, भारत का संविधान, इंतिहास, भूगोल तथा वैज्ञानिक प्रगति से संबंधित प्रश्न होते है।

सामान्य अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के पाठ्यक्रम आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

- **साक्षात्कार/मौखित परीक्षा :–**

साक्षात्कार में आयोग अभ्यर्थियों से यह उम्मीद करता है कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझबूझ के साथ रूचि न लेते हो अपितु उन घटनाओं में भी रूचि लेते हो जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर या बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार धाराओं और उन नई खोजो में भी रूचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है। इसमें विशेष रूप से यह भी देखा जाता है कि उम्मीदवार अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के अवधारणाओं को व्यवाहारिक रूप में अनुप्रयुक्त करने में कितने सक्षम है।

❖ **परीक्षा की तैयारी** :– सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र के लिए NCERT की छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें लाभदायक है। लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन के सामान्य ज्ञान की पुस्तके इस हेतु उपयोगी है। सामान्य अंग्रेजी के लिए परफेक्ट प्रकाशन एवं दिशा प्रकाशन की पुस्तकें लाभदायक है। योजना, कुरूक्षेत्र पत्रिका, द हिन्दु एवं इकोनॉमिक्स टाईम्स समाचार पत्र भी उपयोगी है। अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी के लिए इससे संबंधित भारत सरकार के प्रकाशन एवं स्नातकोत्तर स्तर की पुस्तकें लाभदायक है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

कोई भी लक्ष्य,
इंसान के जूनून से बड़ा नहीं।
जीता वहीं जो डरा नहीं।।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून, भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला, वायुसेना अकादमी हैदराबाद, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (पुरूष एवं महिला) में अधिकारियों की भर्ती हेतु सामान्यतः प्रतिवर्ष दो बार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई एवं अक्टूबर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः सितम्बर तथा फरवरी माह में बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है। SSB द्वारा आयोजित साक्षात्कार के पश्चात् सफल अभ्यार्थियों को संबंधित एकेडमी में प्रवेश दिया जाता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय सैनिक अकादमी देहरादून	स्नातक या समकक्ष	18–23 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला	इंजीनियरी में डिग्री	18–23 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
3.	भारतीय वायुसेना अकादमी हैदराबाद	स्नातक (12वीं कक्षा भौतिक एवं गणित विषय सहित) या इंजीनियरी में डिग्री	20–24 वर्ष	पुरूष	विवाहित/ अविवाहित
4.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–24 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
5.	अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (एसएससी गैर तकनीकी कोर्स)	स्नातक या समकक्ष	18–24 वर्ष	महिला	विवाहित/ अविवाहित

❖ **शारीरिक मापदंड :– (सभी पदों के लिये)**

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 152 सेमी. **भार** ऊंचाई के अनुरूप	**ऊंचाई** 157.5 सेमी. (नौसेना के लिये 157 सेमी. तथा वायुसेना के लिये 162.5 सेमी.) **सीना** 77 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** ऊंचाई के अनुरूप

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** उम्मीदवारों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न कोर्सों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है। जो आवेदक भारतीय वायुसेना में प्रवेश चाहते हैं, उन्हें भारतीय वायुसेना अकादमी को अनिवार्य रूप से प्रथम वरीयता दर्शाना होता है। जो पुरूष आवेदक केवल अल्पकालिक सेवा कमीशन (सेना) के लिये आवेदन कर रहे हैं, उन्हें अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी को एकमात्र वरीयता दर्शाना होता है।

टीप :– महिला आवेदक सिर्फ अल्पकालिक सेवा कमीशन (SSC) के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी की ही वरीयता देनी चाहिये।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चयन बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :– भारतीय सैनिक अकादमी, भारतीय नौसेना अकादमी, भारतीय वायुसेना अकादमी में प्रवेश के लिए की परीक्षा संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी	100	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटा
3.	प्रारंभिक गणित	100	2 घंटा

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :– अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश के लिए परीक्षा संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	अंग्रेजी	100	2 घंटा
2.	सामान्य ज्ञान	100	2 घंटा

टीप :– 1. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33% ऋणात्मक अंक दिया जाता है।

- **न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–** आयोग, प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है, उन्हें लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर सेवा चयन बोर्ड में बुद्धि एवं व्यक्तित्व परीक्षण के लिये भेजा जाता है।
- **सेवा चयन बोर्ड :–** बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिये 200 अंक का तथा अन्य अकादमियों के लिये 300 अंक का होता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

❖ **चयन का तरीका :–**

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र–1 अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके। प्रश्न पत्र स्नातक स्तर का होता है।

प्रश्न पत्र–2 सामान्य ज्ञान – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान, समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–3 प्रारंभिक गणित – इसमें सामान्य गणित के अंकगणित, बीजगणित, त्रिकोणमितिय, ज्यामिति, क्षेत्रमिति, विस्तार कलन, सांख्यिकी आदि से संबंधित बारहवीं कक्षा के स्तर के प्रश्न होते हैं।

- **नियुक्ति की अवधि –** अल्पकालिक सेवा कमीशन (पुरूष एवं महिला) 14 वर्ष की अवधि के लिये प्रदान किया जाता है, अर्थात् प्रारंभ में 10 वर्ष जो 4 वर्ष की अवधि के लिये बढ़ाया जा सकता है।

प्रशिक्षण के संबंध में प्रतिबंध – आवेदक का भारतीय सैनिक अकादमी/भारतीय नौसेना अकादमी/भारतीय वायुसेना अकादमी में प्रशिक्षण में अंतिम रूप से चयन होने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाती है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. महिला अभ्यर्थी सिर्फ अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी चेन्नई (SSC गैर तकनीकी) के लिये ही पात्र होते हैं।

3. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न अकादमियों की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। सामान्य गणित के लिए NCERT के नवमीं से बारहवीं तक के गणित की पुस्तकें तथा यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिकायें उपयेागी है। अरिहन्त प्रकाशन का साल्वड पेपर PATH FINDER एक बहुउपयोगी पुस्तक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि हार की कोई संभावना न हो तो जीत का कोई अर्थ नहीं है।
If there exists no possiblility of failure, then victory is meaningless.
- Robert H. Schuller

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के थलसेना, नौसेना और वायुसेना स्कंधों तथा भारतीय नौसेना अकादमी कोर्स में प्रवेश के लिय प्रतिवर्ष दो बार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिये विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून एवं नवम्बर/दिसम्बर माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः अगस्त/सितम्बर तथा अप्रैल/मई माह में बिलासपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। कोर्सों में प्रशिक्षण जनवरी एवं जुलाई से प्रारंभ होता है।

❖ **आवश्यक अर्हता :–** विभिन्न अकादमी के लिये निर्धारित अर्हता निम्नानुसार है –

क्र.	अकादमी का नाम	शैक्षणिक योग्यता	आयु	लिंग	वैवाहिक स्थिति
1.	भारतीय रक्षा अकादमी का थल सेना स्कंध	12वीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण	17–20 वर्ष	पुरूष	अविवाहित
2.	भारतीय रक्षा अकादमी के वायु सेना और नौसेना स्कंध तथा नौसेना अकादमी	12वीं कक्षा भौतिक, रसायन विज्ञान एवं गणित विषय सहित या समकक्ष उत्तीर्ण	17–20 वर्ष	पुरूष	अविवाहित

टीप :– जो अभ्यर्थी कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है, वे भी आवेदन कर सकते है।

❖ **शारीरिक मापदंड (सभी पदों के लिये) :–**

1. ऊंचाई – 157 सेमी. (वायुसेना के लिये 162 सेमी.)

2. सीना – 77 सेमी. (फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए)

3. भार – ऊंचाई के अनुरूप

4. वायुसेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग/जांघ की लंबाई तथा बैठे हुये लंबाई के स्वीकार्य माप को पूरा करना अनिवार्य है।

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए, सुनने की क्षमता अच्छी हो आदि।

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–**

उम्मीदवारों को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार **http://www.upsconline.nic.in** वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में उम्मीदवार को विभिन्न सेवाओं के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 2 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – संघ लोक सेवा आयोग द्वारा लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

द्वितीय स्तर – सेवा चयन बोर्ड (SSB) द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण एवं साक्षात्कार

प्रथम स्तर (लिखित परीक्षा) :– लिखित परीक्षा की संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	गणित	120	300	2.30 घंटा
2.	सामान्य योग्यता परीक्षण भाग क. अंग्रेजी भाग ख. सामान्य ज्ञान	 50 100	 200 400	2.30 घंटा
योग		**270**	**900**	

टीप :– प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33% ऋणात्मक अंक दिया जाता है।

- **<u>न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–</u>** परीक्षा के एक अथवा सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारिण आयोग के विवेक पर रहेगा।
- **<u>सेवा चयन बोर्ड/साक्षात्कार –</u>** बोर्ड द्वारा आवेदकों का मनोवैज्ञानिक अभिरूचि परीक्षण और बुद्धि परीक्षण पर आधारित द्विस्तरीय चयन प्रक्रिया के आधार पर परीक्षण किया जाता है। कुल 900 अंकों का होता है।

पहले स्तर का परीक्षण चयन केन्द्रों पर पहले दिन ही किया जाता है तथा जो आवेदक इसमें पात्र पाये जाते हैं, उन्हें द्वितीय स्तर/शेष परीक्षणों में प्रवेश दिया जाता है। शेष परीक्षणों में साक्षात्कार एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अतिरिक्त आवेदकों की मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाती है, उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जाते हैं तथा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये भी कहा जाता है। ये परीक्षण चरणबद्ध होते है। इन परीक्षणों का विवरण वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौसेना स्कंधों और भारतीय नौसेना अकादमी के उम्मीदवारों अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा वायुसेवा के उम्मीदवारों का पायलट एप्टीट्यूड परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। सेवा चयन बोर्ड का व्यक्तित्व परीक्षण/साक्षात्कार 900 अंक का होता है। इनमें उम्मीदवारों के व्यक्तित्व का आंकलन तीन विभिन्न आंकलनकर्ताओं नामतः साक्षात्कार अधिकारी, ग्रुप टेस्टिंग अधिकारी तथा मनोवैज्ञानिक द्वारा किया जाता है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में आवेदक को बोर्ड द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

❖ **<u>चयन का तरीका</u>** :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आवेदकों को योग्यताक्रम में रखा जाता है तथा अंतिम चयन शारीरिक दक्षता, मेडिकल फिटनेस टेस्ट आदि में उपयुक्त पाये जाने पर आवेदकों द्वारा दिये गये वरीयता के आधार पर किया जाता है।

❖ **<u>पाठ्यक्रम :–</u>**

प्रश्न पत्र–1 गणित – इसमें सामान्य गणित के बीजगणित, आव्यूह तथा सारणिक, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, अवकल गणित, समाकलन गणित तथा अवकलन समीकरण, सदिश बीजगणित तथा सांख्यिकी एवं प्रायिकता आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 भाग क. अंग्रेजी – इसका प्रश्न पत्र इस प्रकार से होता है कि अभ्यर्थी के अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

भाग ख. सामान्य ज्ञान – इस भाग में भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, भारतीय इतिहास एवं स्वतंत्रता आंदोलन, भूगोल, समसामयिक घटनायें आदि से संबंधित प्रश्न होते हैं। चूंकि सैन्य अधिकारी का काम उसके भौगोगिक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण सटीक होने दरकार रखता है, इसलिये इस भाग में लगभग दो तिहाई प्रश्न विज्ञान और भूगोल से संबंधित होते हैं।

❖ **<u>प्रशिक्षण –</u>** तीनों सेनाओं अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिये चुने गये उम्मीदवारों को 3 वर्ष का शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे में दिया जाता है। पहले ढ़ाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान होता है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा बी.एस–सी./बी.ए. डिग्री प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियाँ/ वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

नौसेना अकादमी के लिये चयनित उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना अकादमी, झझीमाला में 4 वर्ष के अवधि के लिये शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाता है तथा पासिंग आउट पर बी.टेक. डिग्री प्रदान की जाती है।

❖ **<u>प्रशिक्षण के बाद कैरियर –</u>** राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थलसेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी देहरादून में, नौसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी झझीमाला में तथा वायुसेना कैडेट भारतीय नौसेना अकादमी हैदराबाद में एक से डेढ़ वर्ष तक प्रशिक्षण लेते हैं। सफल प्रशिक्षण उपरांत इन्हें सेना में लैफ्टिनेंट या उप लैफ्टिनेंट या समकक्ष पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार भारतीय सेना के तीनों अंगों में अजा/अजजा/अपिव आवेदकों के लिये किसी भी प्रकार का कोई आरक्षण नहीं होता है।

2. आवेदन के साथ आवेदक को विभिन्न सेवाओं की वरीयता उल्लेखित करना होता है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–**

परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर.एस.अग्रवाल, एवं सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। गणित के लिए NCERT के नवमीं से बारहवीं तक के गणित की पुस्तकें तथा यूनिवर्सल सेल्फ स्कोरर उपयोगी है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है। NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर पत्रिकायें उपयेागी है। अरिहन्त प्रकाशन का साल्वड पेपर PATH FINDER एक बहुउपयोगी पुस्तक है। भूगोल के लिए प्रतियोगितादर्पण का अतिरिक्तांक लाभदायक है।

संपर्क :–

उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं।

जितना कठिन संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी।
The harder the conflict, the more glorious the triumph.
- Thomas Paine

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमाण्डेंट संयुक्त भर्ती परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल तथा सशस्त्र सीमा बल) में सहायक कमाण्डेंट पदों के लिये संयुक्त चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा के लिय विज्ञापन प्रतिवर्ष सामान्यतः मई/जून माह में रोजगार समाचार में जारी किया जाता है। संयुक्त लिखित परीक्षा सामान्यतः जुलाई/अगस्त माह में रायपुर सहित देश के विभिन्न केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

❖ **आवश्यक शैक्षणिक अर्हता :–** आवेदक को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातक अंतिम वर्ष के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं।

❖ **आयुसीमा :–** विज्ञापन वर्ष के 01 अगस्त की स्थिति में न्यूनतम 20 वर्ष तथा 25 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो।

टीप :– भारत सरकार के नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में अजा/अजजा के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 3 वर्ष तथा भूतपूर्व सैनिक एवं कार्यरत शासकीय सेवकों को नियमानुसार उच्चतम आयुसीमा में छूट दी जाती है। **निःशक्त आवेदक इन पदों के लिए पात्र नहीं होते है।**

❖ **आवेदन प्रक्रिया :–** उम्मीदवारों को सिर्फ ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उम्मीदवार http://www.upsconline.nic.in वेबसाइट का प्रयोग करके ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवेदक को विभिन्न बलों के लिये वरीयता दर्शाना अनिवार्य होता है।

टीप – महिला आवेदक सिर्फ CRPF, CISF **तथा** SSB **के लिये ही पात्र होते हैं, अतः उन्हें इन पदों के लिये ही वरीयता देनी चाहिये।**

❖ **परीक्षा योजना :–** परीक्षा 3 स्तरों में आयोजित की जाती है –

प्रथम स्तर – लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रकार)
द्वितीय स्तर – शारीरिक मानदंड/शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं चिकित्सा मानदंड परीक्षण
तृतीय स्तर – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण

प्रथम स्तर :– लिखित परीक्षा हेतु 2 प्रश्न पत्र होते है, जिसकी संरचना निम्नानुसार है –

क्र.	प्रश्न पत्र एवं उसका प्रकार	प्रश्न पत्र का नाम	अधिकतम अंक	कुल समय
1.	प्रथम प्रश्न पत्र (वस्तुनिष्ठ प्रकार)	सामान्य योग्यता एवं बुद्धिमता	250	2 घंटा
2.	द्वितीय प्रश्न पत्र (वर्णनात्मक प्रकार)	सामान्य अध्ययन, निबंध एव अपठित गद्यांश	200	3 घंटा
योग			**450**	

टीप :– प्रश्न पत्र–1 में प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 33 प्रतिशत नकारात्मक अंक दिया जाता है।

• **न्यूनतम अर्हक अंक एवं अग्रिम प्रक्रिया :–** आयोग, प्रश्न पत्र–1 के लिये न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करता है तथा जो आवेदक आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक को प्राप्त करने में सफल हो जाते है उन्हीं का द्वितीय प्रश्न पत्र का मूल्यांकन किया जाता है। जो आवेदक लिखित परीक्षा में कुल प्राप्तांकों के आधार पर अर्ह घोषित किये जाते हैं, उनका शारीरिक क्षमता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण किया जाता है। शारीरिक क्षमता परीक्षण एवं चिकित्सा परीक्षण में पात्र पाये गये आवेदकों का ही प्रश्न पत्र–1 और प्रश्न पत्र–2 के संयुक्त प्रदर्शन (कुल 450 अंकों के प्राप्तांक) के आधार पर उन्हें साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के लिए बुलाया जाता है। शारिरिक क्षमता परीक्षण के लिए कोई अंक नहीं होता है। यह केवल अर्हक/निष्कासन प्रकृति का होता है।

द्वितीय स्तर – शारीरिक मापदंड :–

क्र.	महिला	पुरूष
1.	**ऊंचाई** 157 सेमी. **भार** 46 कि.ग्रा.	**ऊंचाई** 165 सेमी. **सीना** 81 सेमी. फुलाने में सीना कम से कम 5 सेमी. फुलना चाहिए) **भार** 50 कि.ग्रा.

शारीरिक दक्षता परीक्षा :–

क्र.	विवरण	महिला	पुरूष
1	100 मी. दौड़	18 सेकेण्ड में	16 सेकेण्ड में (घ) तीन अवसरों में
2	800 मी. दौड़	4 मिनट 45 सेकण्ड में	3 मिनट 45 सेकण्ड में
3	लम्बी कूद	3 मी. (3 अवसरों में)	3.5 मी. (3 अवसरों में)
4	गोला फेक (शॉट पुट)	–	4.50 मी. गोला फेक (7.26 किग्रा.) (3 अवसरों में)

टीप :– आवेदक को आयोग द्वारा निर्धारित चिकित्सा मापदण्ड को पूर्ण करना अनिवार्य है। इसके लिए यह आवश्यक है कि उसे चष्मा न लगा हो, उसकी रंग पहचान संबंधी उच्च दृष्टि हो, पैर सपाट न हो एवं घुटने मिलने नहीं चाहिए।

तृतीय स्तर – साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण – साक्षात्कार 150 अंक का होता है। लिखित परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षण में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत कुल 150 अंक होते है। साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण में एनसीसी ''बी'' अथवा ''सी'' प्रमाण पत्रधारी आवेदकों को समुचित वेटेज दिया जाता है। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची बनाई जाती है।

- **अंतिम चयन/योग्यता** :– लिखित परीक्षा और साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण के कुल प्राप्तांक के आधार पर आयोग आवेदकों द्वारा आवेदन पत्र में दर्शाये गये विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वरीयता के अनुसार अखिल भारतीय योग्यता सूची तैयार करके आवेदकों का सहायक कमाण्डेंट पद पर चयन करता है।

❖ **पाठ्यक्रम :–**

प्रश्न पत्र–1 (क) सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति – इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनों प्रकार के तर्कशक्ति के प्रश्न होते हैं।

(ख) सामान्य जानकारी – इसमें भारत के इतिहास, संस्कृति, भारत एवं एवं विश्व के भूगोल, भारत का राज्य व्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था, सामान्य राजव्यवस्था, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर की समसामयिक घटनाक्रम आदि के प्रश्न होते हैं।

(ग) सामान्य विज्ञान – इसमें सामान्य विज्ञान से संबंधित प्रश्नों के साथ ही विज्ञान के क्षेत्र में होने वाले नये खोजों तथा नये क्षेत्रों यथा सूचना प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नालॉजी, पर्यावरण विज्ञान आदि के प्रश्न होते हैं।

प्रश्न पत्र–2 इस प्रश्न पत्र के दो भाग होते हैं। प्रथम भाग में आवेदक को अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में एक निबंध लिखना होता है। निबंध सामान्यतः भारत के स्वतंत्रता संग्राम/भूगोल/अर्थव्यवस्था/राजव्यवस्था/ज्वलंत समस्याओं से संबंधित होता है। यह खण्ड 80 अंक का होता है। भाग–2, 120 अंक का होता है, जिसमें आवेदक को अंग्रेजी भाषा में अपठित गद्यांश, सारांश लेखन, प्रति–तर्क विकास, सामान्य व्याकरण आदि के साथ ही अंग्रेजी के ऐसे प्रश्नों का उत्तर देना होता है, जो मुख्यतः गलती की पहचान, व्याकरण, वाक्य गठन, समानार्थक, विलोमार्थक, मुहावरा आदि पर आधारित होता हैं।

विशेष :– 1. भारत सरकार के नियमानुसार सभी बलों में अजा/अजजा/अपिव/भूतपूर्व सैनिक आवेदकों के लिये पद आरक्षित होते हैं।

2. सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महिलाओं के लिए पद आरक्षित होते है।

3. इस परीक्षा के सभी पद राष्ट्र स्तरीय होते है, जिससे चयनित आवेदकों की पदस्थापना भारत में कहीं भी हो सकती है।

4. आवेदन के साथ आवेदक को बलों की वरीयता उल्लेखित करनी होती है।

❖ **परीक्षा की तैयारी :–** परीक्षा की तैयारी, विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों, कट ऑफ मार्क्स आदि के जानकारी के संबंध में जिला रोजगार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। सामान्य बुद्धिमता एवं तर्कशक्ति तथा संख्यात्मक अभियोग्यता के लिए आर. एस.अग्रवाल, एवं अरिहन्त प्रकाशन, सामान्य सचेतना के लिए लूसेन्ट एवं अरिहन्त प्रकाशन की पुस्तके लाभदायक है। अंग्रेजी भाषा ज्ञान के लिए दिशा पब्लिकेशन एवं व्ही.के.सिन्हा की Perfect Competitive English की पुस्तकें भी उपयोगी है।

NCERT की कक्षा छठवीं से दसवीं तक की पुस्तकें इस परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी है। आवेदक विगत वर्ष के प्रश्न पत्र वेबसाईट www.examrace.com से प्राप्त कर सकते है। भारत सरकार के वेबसाईट www.india.gov.in इस परीक्षा के लिए उपयोगी है। समसामयिक घटना क्रम के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं सक्सेस मिरर, योजना एवं कुरूक्षेत्र तथा पत्रिकायें और द हिन्दु समाचार पत्र उपयोगी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए स्पेक्ट्रम पब्लिकेशन एवं टाटा मैकग्रेथ हिल की पुस्तके उपयोगी है।

संपर्क :– उपर्युक्त परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी आवेदक संघ लोक सेवा आयोग के वेबसाईट www.upsc.gov.in से भी प्राप्त कर सकते है।

आप कभी इतने बुजुर्ग नहीं हो सकते कि एक नया लक्ष्य निर्धारित न कर सके या एक नया सपना नहीं देख सकें।

You are never too old to set another goal or to dream a new dream.

- C. S. Lewis